Mercredi 7 novembre 2012

HIN3A13a

(Expression orale)

Cours-6

Activité - Discuter de l'influence du cinéma dans la société d'aujourd'hui.

भारतीय फिल्में और समाज - नीरज दुबे (फरवरी 15, 2001)

भारतीय फिल्में आरंभ से ही एक सीमा तक भारतीय समाज का आईना रही हैं जो समाज की गतिविधियों को रेखांकित करती आई हैं। चाहे वह स्वतन्त्रता संग्राम हो या विभाजन की त्रासदी या युद्ध हों या फिर चम्बल के डाकुओं का आतंक या अब माफियायुग ।...

पिछली सदी शुरू होने से पूर्व ...मनोरंजन के नये स्वरूप सिनेमा का सूर्योदय हुआ। यह चलचित्र के नाम से जाना गया। इसका प्रथम प्रदर्शन भारत में 1896 में हुआ। लुमिरै भाईयों ने छह मूक फिल्मों का प्रदर्शन 7 जुलाई को बम्बई के वाटसन होटल में किया था। तब से लेकर आज तक भारतीय फिल्में तकनीकी और अन्य कलात्मक सुधारों के साथ इस मुकाम पर पहुँच गई हैं।

पिछले पाँच दशकों की बात करें तो देखने को मिलेगा कि भारतीय सिनेमा ने शहरी दर्शकों को ही नहीं गाँव के दर्शकों को भी प्रभावित किया है। फिल्मी गानों को गुनगुनाने और संवादों की नकल का क्रम मुगले-आज़म, शोले और सत्या तक चल कर आज भी जारी है। ...

...दरअसल हमेशा यह कहना कठिन होता है कि समाज और समय फिल्मों में प्रतिबिम्बित होता है या फिल्मों से समाज प्रभावित होता है। दोनों ही बातें अपनी-अपनी सीमाओं में सही हैं। कहानियाँ कितनी भी काल्पनिक हों कहीं तो वो इसी समाज से जुड़ी होती हैं। यही फिल्मों में भी अभिव्यक्त होता है। लेकिन हाँ बहुत बार ऐसा भी हुआ है कि फिल्मों का असर हमारे युवाओं और बच्चों पर हुआ है सकारात्मक और नकारात्मक भी।...

जैसे जैसे अपराध की पृष्ठ भूमि पर फिल्में बनती रहीं... असंतुष्ट, बेरोजगार... युवकों को यह पैसा बनाने का शॉर्टकट लगने लगा... आए दिन आप सुनते आए होंगे कि अमुक डकैती या घटना एकदम फिल्मी अन्दाज में हुई।...

हिन्दी फिल्मों का बाजार जैसे-जैसे विस्तृत हुआ, देश का युवा बेरोजगार आँखों में सपने लेकर अपनी किस्मत आजमाने या तो प्रशिक्षण प्राप्त कर या सीधे घर से भाग कर मुम्बई आने लगे। उनमें से एक दो सफल हुए, शेष लौट गए या बर्बाद हो गए।...वैसे कुल मिला कर देखा जाए तो भारतीय समाज और सिनेमा दोनों ने काफी तकनीकी तरक्की कर ली है। अब जैसे जैसे फिल्मव्यवसाय बढ़ रहा है फिल्मों के प्रति दर्शकों की संवेदनशीलता घट रही है।...

आज भारत साल में सर्वाधिक फिल्में बनाने में अग्रणी है, माना अत्याधुनिक उपकरणों, उत्कृष्ट प्रस्तुति के साथ यह नए युग में पहुँच चुका है, लेकिन गुणवत्ता के मामलों में भारतीय सिनेमा को और भी दूरी तय करनी है। साथ ही यह तय करना है कि समाज के उत्थान में उसकी क्या भूमिका हो अन्यथा टेलीविज़न उसे पीछे छोड देगा। कितना ही आधुनिक हो जाए भारत, यहाँ राम अभी तक नर में हैं और नारी में अभी तक सीता है।

Vocabulaire utile

आरंभ (m) début, सीमा (m) frontière, आईना (m) miroir, रेखांकित करना esquisser, संग्राम (m) bataille, त्रासदी (f) tragédie, आतंक (m) terreur, सदी (f) siècle, मूक silencieux, सुधार (m) amélioration, réforme, मुकाम (m) destination, प्रतिबिम्बित reflété, असर (m) effet, तरक्की (f) progrès, संवेदनशीलता (f) sensibilité, उत्थान (m) émergence, कलाकार (m), एक्टर (m) acteur, अभिनेत्री (f) actrice, निर्देशक (m) réalisateur, निर्माता (m) producteur, किरदार (m), भूमिका (f) rôle, दर्शक (m) spectateur, दीवाना, फ़ैन (m) fan, मैटनी शो (m) matinée, चलचित्र (m) film, फ़िल्म लगना être à l'affiche, कमाई होना (f) gagner de l'argent (m)